निस्कार्ट फादर एग्नल, वैशाली

हिंदी अभ्यास पत्रिका -२०१७-१८

माह - दिसबंर, कक्षा - 7

प्रश्न 1 निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए |

तप का अर्थ 'तपना' | तपने में महान कष्ट होता है | चाहे वह अग्नि में , धूप में , पुस्तको में , गृह कार्यो या व्यापारों आदि किसी में तपना जो | तप एक महान साधना जिसमे महान सतना है जिसमें महान कष्ट उठाने पड़ते है | किसी भी क्रिया को करने के लिए मन , वाणी एवं शरीर तीनों को लगाना पड़ता है | जो व्यक्ति सत्य भाषण करता है उसका हृदय प्रबल रहता है | वह बड़े गौरव के साथ अपनी बात कहा सकता है ; किन्तु असत्य भाषण करने वालो की आत्मा निर्बल रहती है | वे सर्वदा संकोचमय एवं भयभीत रहती है | सनातन धर्म भी यही है की हम सत्य बोले ; परन्तु वह सत्य प्रिय हो , अप्रिय सत्य भी नही बोलना चाहिए | मनुष्य में विनय , औदार्य , साहस , चरित्र बल आदि गुणों का विकास सत्य मार्ग पर पद रखने से होता है | सूक्तिकार ने 'साँच बराबर ताप नहीं' सूक्ति में तप की सिद्धि को ही सत्य कहा है | जीवन में कठिन कार्यो की सिद्धि बिना सत्य के जो ही नही सकती | सूक्तिकार के स्थान में झूठ पाप की श्रेणी में आता है | सत्यनिष्ठ व्यक्ति संसार में अमर हो जाते है और स्वर्ग के अधिकारी होते है |

(क) तपना को साधना क्यों कहा गया है ?

(ख) तप किसे कहेंगे और क्यों ?

(ग) सित तथा असत्य बोलने में क्या अंतर होता है ?

(घ) सत्य मार्ग पर पैर रखने से क्या होता है ?

(ङ) सूक्तिकार शब्द से प्रत्यय अलग कीजिए और उसी प्रत्यय से एक नया शब्द बनाइए |

प्रश्न 2 - दिए गए चित्र को देखकर उसका वर्णन कीजिए |

प्रश्न -3 निम्नलिखित विषय पर संवाद लिखिए |

1 जनसख्या नियंत्रण पर दो छात्रों के मध्य संवाद |

2 परिवार के साथ होटल में हुए व्रतांत को संवाद के रूप में लिखिए |

प्रश्न - 4 दिए गए विषय पर अनुच्छेद लिखिए |

- नैतिकता का गिरता स्तर
- प्रतियोगिता का महत्त्व

काव्यांश

प्रश्न 5 निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए |

जिस–जिससे पथ पर स्नेह मिला उस–उस राही को धन्यवाद।
जीवन अस्थिर, अनजाने ही हो जाता पथ पर मेल नहीं
सीमित पग–डग, लंबी मंजिल तय कर लेना कुछ खेल नहीं
दाएँ–बाँए सुख–दुख चलते सम्मुख चलता पथ का प्रमाद
जिस–जिससे पथ पर स्नेह मिला उस–उस राही को धन्यवाद।
जो साथ न मेरा दे पाए उनसे कब सूनी हुई डगर
मैं भी न चलूँ यदि तो भी क्या राही मर, लेकिन राह अमर
इस पथ पर वे ही चलते हैं जो चलने का पा गए स्वाद
जिस–जिससे पथ स्नेह मिला उस–उस राही को धन्यवाद।

1 कवि के अनुसार जीवन कैसा है |

2 जीवन रूपी यात्रा में अनुभव कैसे आते है ?

3 जीवन रूपी डगर पर कौन चलते है ?

4 कवि किसको धन्यवाद करता है ?

5 इस पद्यांश के लिए उचित शीर्षक चुनिए ?

भोर और बरखा

- पदों में 'माखन रोटी हाथ महं लीनी गउवन के रखवारे' ऐसा क्यों कहा गया है?
- पढ़े हुए पद के आधार पर ब्रज की भोर का वर्णन कीजिए |
- सुबह जागने के समय आपको क्या अच्छा लगता है?
- इन पदों में कवि ने किस बात पर सबसे ज्यादा ज़ोर दिया है |
- दोनों पद के प्रसंगों में अंतर स्पष्ट करें |
- वर्षा में भीगना आपको कैसा लगता है?
- पदों का मूल सन्देश क्या है?
- मीरा के पद किसकी भक्ति में सराबोर हैं?
- ग्वाल वाल प्रातः काल शोर क्यों कार रहे हैं?

संघर्ष के कारण मैं तुनुकमिजाज़ हो गया:धनराज

- साक्षात्कार पढ़कर आपके मन में धनराज पिल्लै की कौन-सी तस्वीर उभरती है?
- धनराज पिल्लै ने ज़मीन से उठकर आसमान का सितारा बनने तक की यात्रा कैसे तय की?
- ध्यानचंद को हॉकी का जादूगर क्यों कहा जाता है? पता लगाइए और बताइए |
- किन विशेषताओं के कारण हॉकी भारत का राष्ट्रीय खेल माना जाता है?
- पाठ में धनराज पिल्लै की तरह अगर आपके जीवन में किसी ने साक्षात्कार लिया है तो बताइए |
- धनराज पिल्लै के लिए उनका परिवार कितना महत्त्वपूर्ण है?
- धनराज पिल्लै के जीवन से क्या शिक्षा मिलती है?
- धनराज पिल्लै का प्रारंभिक खेल जीवन किसा रहा?
- धनराज पिल्लै का संघर्षपूर्ण जीवन आज के युवाओं के लिए क्या सन्देश देता है?
- भारतीय राष्ट्रीय हॉकी टीम के खिलाड़ियों के चित्र चिपकाइए और उनके बारे में लिखिए |

संधि

- निम्नलिखित शब्दों का संधि-विच्छेद कीजिए : चंद्रोदय , युगादि , अन्वेषण
- भानूदय , मुनीश का संधि-विच्छेद कीजिए|
- निम्नलिखित शब्दों का संधि विच्छेद कीजिए : अहंकार , तल्लीन , संयम संकृति |
- निम्नलिखित शब्दों की संधि कीजिए :

  अधिक+अधिक =

  दु: + वासना =

कृष + न =

परम + तु=

- निम्नलिखित शब्दों का संधि-विच्छेद कीजिए :

  अनंत , पर्यावरण , उन्न्याक , दिगंबर

  निम्नलिखित शब्दों की संधि कीजिए: -

  नि:+उपमा =

  प्र+मान =

  सम+तोष =

- निम्नलिखित शब्दों की संधि कीजिए :

  हरि:+चंद्र =

  वृक्ष+छाया =

  किम+कर =

उपसर्ग और प्रत्यय

- निम्नलिखित उपसर्गों से तीन-तीन शब्द बनाइये |

  अभि , उत , बिन

- निम्नलिखित शब्दों से उपसर्ग और मूल शब्द अलग-अलग कीजिए :

  अपशब्द , हमउम्र , अपकार

- निम्नलिखित प्रत्ययो से तीन-तीन शब्द बनाइये :

  बाला , पूर्वक , आवट

- निम्नलिखित शब्दों से मूल शब्द और प्रत्यय अलग-अलग कीजए :
- थकावट , नकली , डिबिया
- कलाकार , दुकानदार , कलाकार में स्थित प्रत्यय अलग कीजिए |
- इस , आहत से शब्द बनाइए |